फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 340 प्रभात जयपुर, बुधवार 12 जुलाई , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

ARBiT

Grass Hills, Elephants, Me And Friends

The elephants walk in single file, each holding the tail of the one before it, the one behind gives the one ahead a push if needed.

The Axial Age

Technology: Making A Difference! Wondering about the next innovation that will capture our imagination?

"अमृत काल" अब "कर्तव्य काल" बना

2004 के चुनाव में भाजपा का "इण्डिया शाइनिंग" का नारा फेल हो गया था, अतः एहतियात बरतते हुए, प्र.मंत्री मोदी ने 2024 के चुनाव में "अमृत काल" के नारे को बदल कर "कर्तव्य काल" के रूप में प्रस्तुत किया है

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। भाजपा इस समय स्लोगन- अभियान में संशोधन कर रही है और "अमृत काल" (आजादी के अगले 25 साल के संदर्भ में) को नया नाम "कर्तव्य काल" दे दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह कहते हुये उद्धृत किया गया है: "आजादी के अगले 25 साल हमारा "कर्तव्य काल" होंगे। आजादी के 100 साल के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुये, हमने हमारे "अमृत काल" को "कर्तव्य काल" नाम दे दिया है।"

- 2004 में अप्रत्याशित रूप से भाजपा हार गई थी, तथा कांग्रेस ने केन्द्र में सरकार बनायी थी।
- भाजपा के "इण्डिया शाइनिंग" नारे को शहरी इलाकों में तो कुछ समर्थन मिला, पर, ग्रामीण जनता इस अति आशावादी नारे से अछूती रही थी।
- भाजपा के "शाइनिंग इण्डिया" के जवाब में कांग्रेस ने सीधा-साधा नारा दिया थाः "भारत निर्माण"।
- भाजपा 2004 की गल्तियाँ दोहराना नहीं चाहती इस बार, अतः चुनाव से पूर्व नारा बदला है।
- साथ ही भाजपा अध्यक्ष नड्डा के कटाक्ष, "राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान नहीं" बल्कि, नफरत का मेगा शापिंग मॉल खोल रहे हैं, को भाजपा विचारक खास पसंद नहीं कर रहे, क्योंकि नड्डा के कटाक्ष से राहुल के नारे की बेवजह याद ताजा हो जाती है।
- अमृत काल से "इण्डिया शाइनिंग" की भांति मैसेज जाता है कि, विकास की स्थिति देश ने पा ली है और "कर्तव्य काल", भारतीय नागरिकों को विकास की ओर अग्रसर होने के लिये, कर्तव्य करने को प्रेरित करता है।

"अमृत काल" के नारे का उपयोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले 75 वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान उस समय किया था, जब उन्होंने अगले 2 वर्षों के लिये देश की नई रुपरेखा का अनावरण किया था।

इसलिये प्रश्न यह है – भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिये अपने प्रचार के मुख्य स्लोगन का नाम बदलने का निर्णय क्यों लिया है।

जाहिर है, पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के "इंडिया शाइनिंग" नारे की असफलता का पार्टी के वर्तमान नेतृत्व के मन पर भारी दबाव है। "इंडिया शाइनिंग" नारे के प्रति शहरी क्षेत्रों में तो कुछ मात्रा में झुकाव था लेकिन यह ग्रामीण क्षेत्र के मन के तारों का झंकृत नहीं कर पाया था और इस प्रकार 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए की अप्रत्याशित जीत का मार्ग प्रशस्त हो गया था। कांग्रेस उस समय "भारत – निर्माण" का बड़ा सीधा-सादा नारा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमेटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

रोचक चर्चा

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। अशोक गहलोत सरकार में मंत्रियों का एक ऐसा ग्रुप है, जिसने बहुत पैसा कमाया है।

ये मंत्रीगण मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नज़दीक हैं तथा इन्हें सौदेबाजी करने तथा पैसा बनाने का खुला लाइसेंस मिला हुआ है।

- 'आप हमें विधानसभा चुनाव में ज्यादा ना उघाड़ें, हम आपकी लोकसभा चुनाव में पूरी मदद करेंगे'

वरिष्ठ नौकरशाहों, जिनमें से कई तो इन मंत्रियों से भी ज्यादा भ्रष्ट हैं, के साथ इनकी मिली भगत है।

मंत्रियों और अफसरशाही ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

स्कूली छात्राओं पर हमला

मांडलगढ़ 11 जुलाई (निस)। उपखण्ड के महुआ गांव में मंगलवार को राजकीय महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं

- मांडलगढ़ के महुआ गांव में कुछ शरारती तत्वों ने स्कूली छात्राओं पर चाकू, पत्थर व ज्वलनशील पदार्थ फेंका। इससे चार छात्राएं घायल हो गईं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शरद पवार व अजीत पवार आमने-सामने होंगे मोदी के समक्ष

मौका होगा, पुणे में प्र.मंत्री मोदी को लोकमान्य तिलक अवॉर्ड से सम्मानित करने का तथा शरद पवार, मुख्य अतिथि होंगे इस समारोह में और अजीत पवार संभावित अतिथि

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। एन.सी.पी. के संस्थापक और पार्टी के वरिष्ठतम नेता शरद पवार अपने विद्रोही भतीजे और लंबे राजनैतिक सफर के साथी अजीत पवार से 1 अगस्त को आमने-सामने होंगे, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा।

आमतौर पर यह अवसर शर्मिंदा करने वाला हो सकता है, लेकिन आज की राजनीति में कुछ भी संभव है इसलिए आयोजकों ने शरद पवार को मुख्य अतिथि बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी को इस पुरस्कार के लिए चयनित किया गया है जिसमें एक स्मृति चिन्ह, एक स्मृति पत्र दिया जाएगा, उनके कुशल नेतृत्व तथा नागरिकों में देशभक्ति जगाने के लिए।

आयोजकों ने कहा कि शरद पवार को मुख्य अतिथि बनाया गया है जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार केवल आमंत्रित हैं।

- अन्य आमंत्रित अतिथि हैं, महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मु.मंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नविस व अजीत पवार।

ट्रस्ट के अध्यक्ष दीपक तिलक ने एक विज्ञप्ति में कहा, "तिलक स्मारक मंदिर ट्रस्ट (हिंद स्वराज संघ) 1 अगस्त को लोकमान्य तिलक की 103वीं पुण्यतिथि के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेगा।"

ऐसा कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विचार और नेतृत्व के कारण भारत विकास की सीढ़ियाँ चढ़ा।

विज्ञप्ति में कहा गया, "प्रधानमंत्री मोदी ने नागरिकों में देशप्रेम की भावना जगाई और भारत को विश्व के नक्शे तक पहुँचाया। उनके प्रयासों को देखते हुए तिलक स्मारक मंदिर के ट्रस्टियों ने एकमत से उनको सुना।

अन्य आमंत्रितों में शामिल हैं महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और अजीत पवार।

ज्ञातव्य है कि राज्य की राजनीति में भूचाल लाते हुए अजीत पवार और एन.सी.पी. के आठ विधायक 2 जुलाई को शिवसेना-भाजपा सरकार में शामिल हो गए।

अजीत पवार ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद शरद पवार ने प्रधानमंत्री मोदी को एन.सी.पी. नेताओं के भ्रष्टाचार के उनके हाल के बयान याद दिलाए और दोषियों पर कार्यवाही की मांग की।

शरद पवार ने कहा, "ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री ने एन.सी.पी. और उन सब को दोषमुक्त कर दिया है जिन पर उन्होंने आरोप लगाए थे। मुझे आज खुशी है कि उन्होंने एन.सी.पी. के कुछ साथियों को मंत्री पद दिया। इससे साबित होता है कि भ्रष्टाचार के आरोप तथ्यात्मक नहीं थे। मैं इसके लिए प्रधानमंत्री का आभारी हूँ।"

27 जून को भोपाल में भाजपा के बूथ स्तर कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए मोदी ने कहा था कि एन.सी.पी. के खिलाफ करीब 70 हजार करोड़ रूपए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

खेतड़ी ट्रस्ट को मिली खेतड़ी के पूर्व राजा की सम्पत्ति

जयपुर, 11 जुलाई (का.सं.)। दिल्ली हाईकोर्ट ने खेतड़ी राजघराने के पूर्व राजा राय बहादुर सरदार सिंह के जयपुर के चांदपोल बाजार स्थित खेतड़ी हाउस सहित करीब 2500 करोड़ रुपए की संपत्तियों के वसीयत के विवाद में खेतड़ी ट्रस्ट के पक्ष में फैसला दिया है। इसके साथ ही वसीयत की प्रोबेट ट्रस्ट के पक्ष में जारी करने को कहा है। खंडपीठ ने एकलपीठ के 3 जुलाई, 2012 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें एकलपीठ ने पूर्व राजा की वसीयत पर संदेह पैदा करते हुए ट्रस्ट के पक्ष में प्रोबेट जारी करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस नाजमी वजीरी और जस्टिस

- दिल्ली हाई कोर्ट ने माना है कि, खेतड़ी के पूर्व राजा रायबहादुर सरदारसिंह के जयपुर के खेतड़ी हाउस सहित 2500 करोड़ रूपए की सम्पत्ति खेतड़ी ट्रस्ट की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैंगलुरु में पूर्व कर्मचारी ने एम.डी. और सी.ई.ओ. को तलवार से मौत के घाट उतारा

घटना के वक्त इस सॉफ्टवेयर कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर और सी.ई.ओ. दोनों ऑफिस में ही थे, नौकरी छोड़ने के बाद आरोपी खुद का बिजनेस कर रहा था

बैंगलुरु, 11 जुलाई। कर्नाटक की राजधानी बैंगलुरु में एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां पर एक सॉफ्टवेयर-टेक कंपनी के पूर्व कर्मचारी ने कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर (एम.डी.) और चीफ एग्जिक्यूटिव ऑफिसर (सी.ई.ओ.) को तलवार से मौत के घाट उतार दिया।

पुलिस ने बताया कि, यह घटना उस वक्त हुई जब मैनेजिंग डायरेक्टर और सी.ई.ओ. दोनों ऑफिस में थे। दोनों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई। वहीं, आरोपी पूर्व कर्मचारी फरार है। बताया जाता है कि आरोपी भी सॉफ्टवेयर से संबंधित बिजनेस ही चला रहा था। मारे गए दोनों शख्स उसके बिजनेस में हस्तक्षेप कर रहे थे।

- खबरों के मुताबिक, आरोपी भी अपना खुद का सॉफ्टवेयर बिजनेस चला रहा था। मारे गए दोनों शख्स उसके बिजनेस में हस्तक्षेप कर रहे थे।
- एम.डी. और सी.ई.ओ. दोनों की इलाज के लिए अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में मौत हो गई।
- आरोपी के मन में कंपनी के एम.डी फणीन्द्र को लेकर काफी ज्यादा गुस्सा था। यह गुस्सा इसलिए था, क्योंकि फणीन्द्र अक्सर उसके कामकाज में हस्तक्षेप किया करता था।

शुरुआती जांच में सामने आया है कि, आरोपी फेलिक्स एयरोनिक्स कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। नौकरी छोड़ने के बाद उसने अपना बिजनेस शुरू किया था। बताया जाता है कि आरोपी के मन में एयरोनिक्स कंपनी के एम.डी. फणीन्द्र को लेकर काफी ज्यादा गुस्सा था। यह गुस्सा इसलिए था क्योंकि फणीन्द्र अक्सर उसके कामकाज को लेकर सवाल उठाया करता था। मंगलवार शाम करीब चार बजे आरोपी हाथ में तलवार और चाकू

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गोल्डमैन सैक्स ने फिर अपनी आर्थिक भविष्यवाणी से चकरा दिया

गोल्डमैन सैक्स अनुसार 2075 में भारत विश्व में दूसरे नम्बर पर होगा, इकॉनमी की दृष्टि से

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 11 जुलाई। गोल्डमैन सैक्स फिर से अर्थव्यवस्थाओं के तुलनात्मक आंकलन में लगी है और अगले करीब पचास साल के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था का पूर्वानुमान लगा रही है।

इस वैश्विक निवेश बैंक के नवीतनतम अनुमान भारत के लिए एक बहुत सुखद भविष्य बता रहे हैं। यह 2075 तक विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी और जी.डी.पी. का आकार 52.5 ट्रिलियन डॉलर होना चाहिए।

सबसे ऊपर चीन होगा 57 ट्रिलियन डॉलर के साथ और आज की विशालतम अर्थव्यवस्था अमेरिका, 51.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा।

- सैक्स के अनुसार 2075 में भारत की इकॉनमी 52.5 ट्रिलियन होगी, तथा चीन नम्बर एक पर होगा और उनकी इकॉनमी का साइज़ 57 ट्रिलियन डॉलर होगा। अमेरिका की इकॉनमी 51.7 ट्रिलियन डॉलर की होगी, तथा अमेरिका की पोज़ीशन नम्बर तीन होगी।
- सैक्स ने लगभग एक दशक पूर्व भी ऐसी ही भविष्यवाणी की थी, जिसके अनुसार चार देश, ब्राजील, रूस, इण्डिया व चीन भविष्य इकॉनमी दृष्टि से "जाएन्ट" बनेंगे।
- भारत व चीन तो, भविष्यवाणी के अनुरूप, आगे बढ़े और बढ़ते जा रहे हैं, पर, रूस और ब्राज़ील पिछड़ गये और, संभावनाओं के साथ न्याय नहीं कर सके।

जब गोल्डमैन पहली बार पूर्वानुमान के व्यापार में उतरी तो उसने चार देश बताए थे जो भविष्य में विशाल होंगे- ब्राजील, रूस, भारत और चीन। बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हो गया और चार देशों का यह संगठन यह ब्रिक से ब्रिक्स बन गया।

यह एक दशक से पुरानी बात है और अब वह संभवतः पुनरावलोकन कर रहा है लेकिन आज की स्थिति में पांच में से केवल दो, भारत और चीन ही गोल्डमैन के आशावाद के अनुरूप हैं। भारत और चीन महानता के रास्ते पर हैं जबकि अन्य देश फिसल गए हैं।

सबसे बड़ी निराशा रूस से हुई है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)